दैनिक भास्कर

महाकुंभ यात्रा गाइड

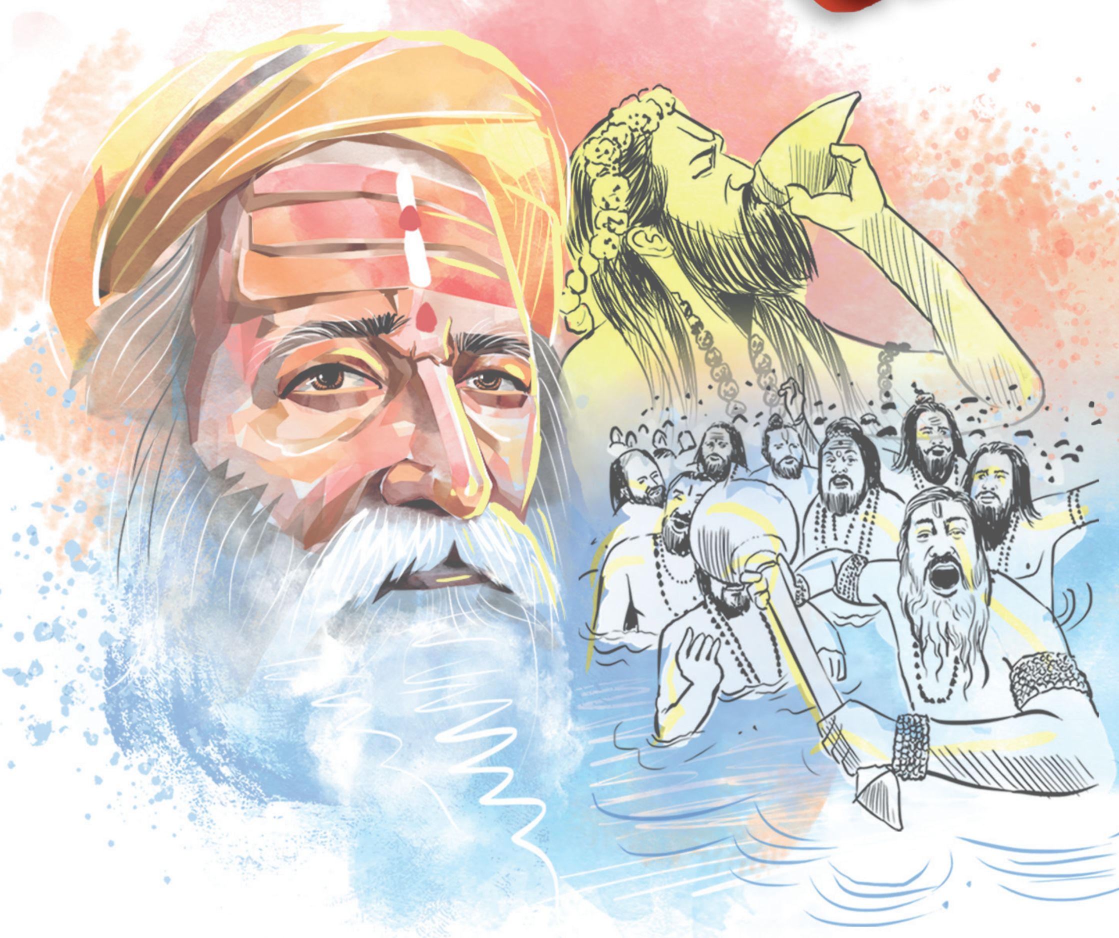

उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से

दैनिक भास्कर

महाकुंभ ई-गाइड

जानिए क्या है महाकुंभ
PG 4-5

महाकुंभ में होने वाले स्नान का महत्व
PG 6

कैसे पहुंचें प्रयागराज
PG 7-15

कहां रुक सकते हैं
PG 16-18

महाकुंभ के लिए टिप्स
PG 19-22

मैप ऑफ महाकुंभ
PG 23

प्रयागराज में कहां घूमें
PG 24-29

प्रयागराज के जायके
PG 30-32

महाकुंभ 2025

वो सबकुछ जो आपके लिए जानना जरूरी

महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज (इलाहाबाद) में **13 जनवरी से 26 फरवरी तक** होगा। यदि आप भी वहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो इस ई-गाइड में आपको प्रयागराज पहुंचने से लेकर वहां घूमने तक की पूरी जानकारी मिलेगी।

जानिए क्या है महाकुंभ

महाकुंभ भारत का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है, जो 12 सालों में एक बार आयोजित होता है।

इसके आयोजन को लेकर अलग-अलग कथाएं प्रचलित हैं। जिनमें सबसे प्रमुख समुद्र मंथन और विशेष नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित कथाएं हैं।

इसमें करोड़ों श्रद्धालु, साधु-संत और विभिन्न धर्म-संप्रदायों के लोग भाग लेते हैं।

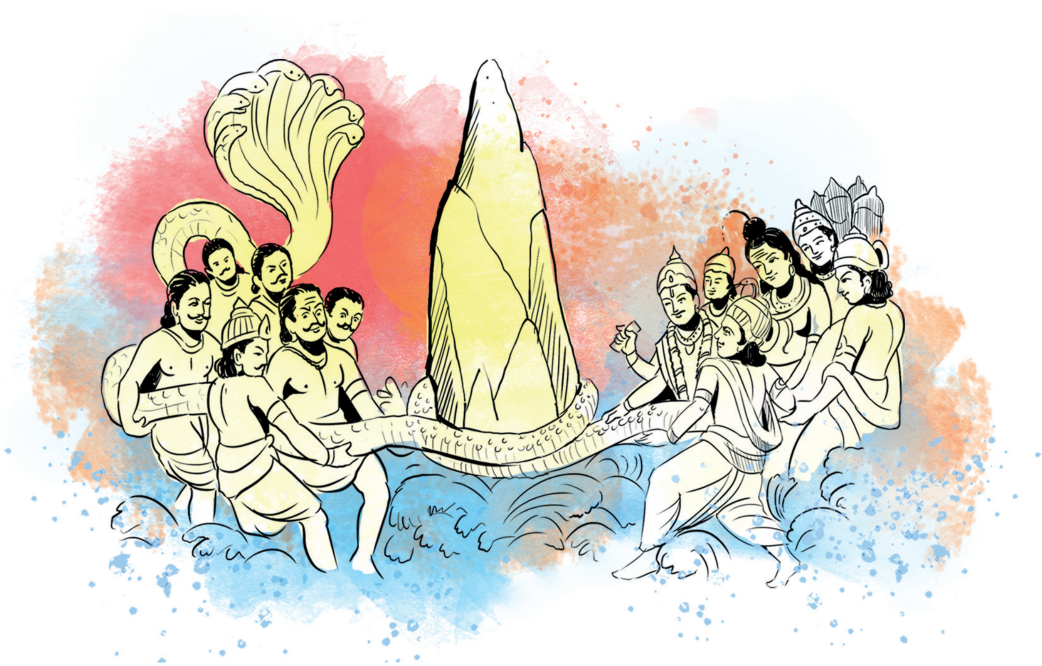

महाकुंभ पहुंचने का सबसे सही समय क्या है

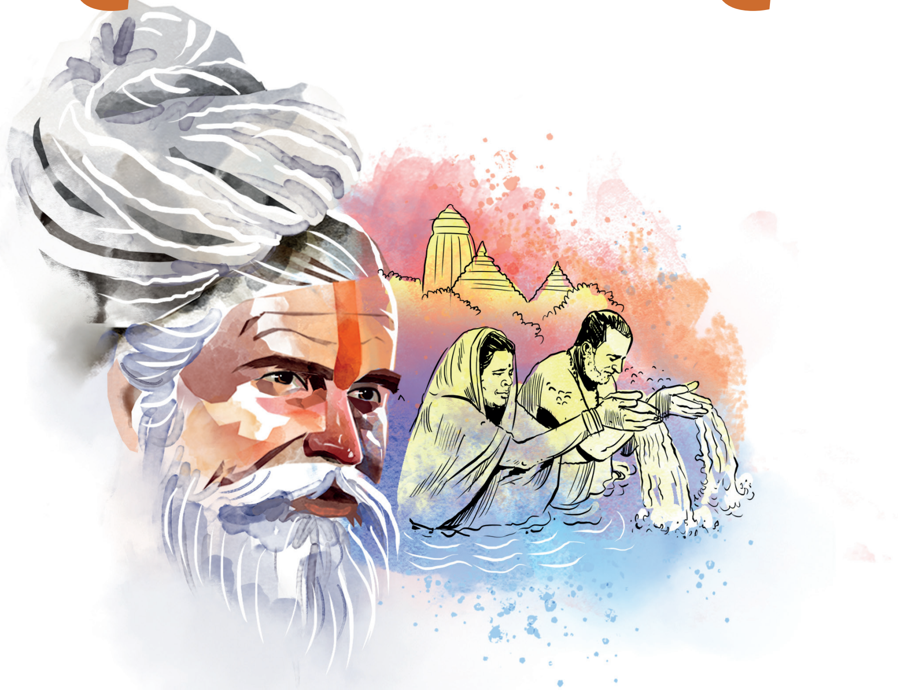

यदि आप मुख्य आयोजन देखना चाहते हैं तो शाही स्नान के समय आना सबसे अच्छा रहेगा। लेकिन इस दौरान भीड़ काफी ज्यादा होती है।

बेहतर होगा कि शाही स्नान से 1-2 दिन पहले ही आप कुंभ सिटी पहुंच जाएं और वहीं रुक जाएं ताकि भीड़भाड़ से बच सकें।

अन्य दिनों में भीड़ कम रहेगी। आप किसी भी सामान्य दिन में स्नान के लिए कुंभ सिटी आने का प्लान बना सकते हैं।

महाकुंभ में होने वाले स्नान का महत्व

- **सामान्य स्नान :** महाकुंभ के दौरान हर दिन किए जाने वाले स्नान को कल्याणकारी माना जाता है। इसे ही सामान्य स्नान कहते हैं।

- **शाही स्नान (राजयोगी स्नान) :** महाकुंभ के दौरान कुछ ऐसे खास दिन होते हैं, जब स्नान को ज्यादा पुण्यकारी माना जाता है। इन्हें ही शाही स्नान कहते हैं। इस दिन सभी प्रमुख अखाड़ों के संत जुलूस के साथ निकलते हैं और संगम में डुबकी लगाते हैं।

शाही स्नान की 6 तिथियां

पौष पूर्णिमा 13 जनवरी 2025	मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025	मौनी अमावस्या 29 जनवरी 2025
बसंत पंचमी 03 फरवरी 2025	माघी पूर्णिमा 12 फरवरी 2025	महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025

सनातन गर्व महाकुम्भ पर्व

दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुम्भ 2025

महाकुम्भ 2025 प्रयागराज

13 जनवरी से 26 फरवरी

पुण्य फलें, महाकुम्भ चलें

कुम्भ सहायक

महाकुम्भ-2025 के लिए आपका AI-सक्षम व्यक्तिगत डिजिटल मार्गदर्शक

कुम्भ सहायक की विशेषताएं

- **हिंदी, अंग्रेजी एवं 9 अन्य** भारतीय भाषाओं में उपलब्ध
- **वाट्सऐप** एवं महाकुम्भ **वेबसाइट/ऐप** पर उपलब्ध
- **बोलकर एवं लिखकर** सवाल पूछने की क्षमता
- श्रद्धालुओं के लिए **व्यक्तिगत फोटो स्मृति चिन्ह** उपलब्ध
- आस-पास की सुविधाओं हेतु **गूगल मैप एकीकरण**
- **पीडीएफ एवं चित्रों** से सुसज्जित मीडिया गैलरी

एक क्लिक पर पाएं सम्पूर्ण जानकारी

कुम्भ इतिहास | आध्यात्मिक गुरु | यात्रा एवं आवास

टूर पैकेज | मुख्य आकर्षण | प्रमुख कार्यक्रम | नागरिक सुविधाएं

कुम्भ सहायक चैटबॉट हेतु QR कोड स्कैन करें

कुम्भ सहायक
वाट्सऐप नं. 8887847135
पर 'नमस्ते' भेजें

कुम्भ चैटबॉट लिंक

chatbot.kumbh.up.gov.in

आकस्मिक सेवाएं | मेला प्रशासन | आवास एवं आहार | यूपी की उपलब्धियां

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

mahakumbh_25/ | upmahakumbh | MahaKumbh_2025 | https://kumbh.gov.in/

कैसे पहुंचें प्रयागराज

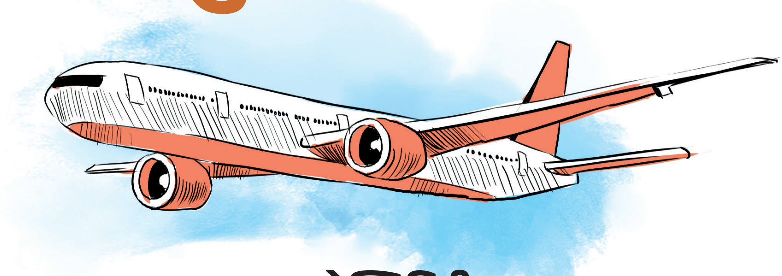

एयर कनेक्टिविटी

प्रयागराज पहुंचने के लिए 9 प्रमुख शहरों से 11 डेली फ्लाइट्स-

शहर	फ्लाइट डायरेक्ट या नहीं	फ्लाइट का समय	प्रयागराज कब पहुंचेगी
दिल्ली	डायरेक्ट	1:15 PM	2:40 PM
मुंबई	डायरेक्ट	10:45 AM	12:55 PM
मुंबई	डायरेक्ट	1:15 PM	3:25 PM
अहमदाबाद	कनेक्टिंग वाया लखनऊ	11:20 AM	3:15 PM
लखनऊ	डायरेक्ट	2:25 PM	3:15 PM
भोपाल	कनेक्टिंग वाया रायपुर	11:35 AM	3:00 PM
रायपुर	डायरेक्ट	1:25 PM	3:00 PM
चेन्नई	कनेक्टिंग वाया बेंगलुरू	11:00 PM	9:15 AM
बेंगलुरू	डायरेक्ट	6:25 AM	9:15 AM
बेंगलुरू	डायरेक्ट	10:20 AM	12:45 PM
कोलकाता	डायरेक्ट	4:10 PM	5:40 PM

ट्रेन कनेक्टिविटी

प्रयागराज जिले में कुल 9 रेलवे स्टेशन हैं। इनसे रोज करीब 500 ट्रेनें गुजरती हैं। आप टिकट बुक करते समय ट्रेनों की उपलब्धता के हिसाब से इनमें से किसी भी स्टेशन के लिए टिकट बुक करवा सकते हैं।

प्रयागराज के स्टेशन और संगम से उनकी दूरी

झूंसी स्टेशन **4 KM**	प्रयागराज संगम स्टेशन **6 KM**	प्रयागराज रामबाग स्टेशन **8 KM**
प्रयाग जंक्शन **9 KM**	प्रयागराज जंक्शन **10 KM**	नैनी जंक्शन **12 KM**
प्रयागराज छिवकी स्टेशन **15 KM**	सूबेदारगंज स्टेशन **15 KM**	फाफामऊ जंक्शन **24 KM**

प्रयागराज हर रेल मंडल से जुड़ा हुआ है। देश के 10 बड़े शहरों से प्रयागराज आने वाली ट्रेनें और उनका समय-

शहर	ट्रेन का नाम	कितने बजे चलेगी	प्रयागराज कब पहुंचेगी	हफ्ते में कितने दिन
अमृतसर	JAT SBP एक्सप्रेस (18310)	7:50 PM	5:10 PM	मंगल, गुरू,शुक्र, रवि
		21 घंटे 20 मिनट		
दिल्ली	वंदे भारत एक्सप्रेस (22436)	6:00 AM	12:08 PM	सोम, मंगल, बुध, शुक्र, शनि, रवि
		6 घंटे 8 मिनट		
	वंदे भारत एक्सप्रेस (22416)	3:00 PM	9:11 PM	सोम, बुध, गुरू, शुक्र, शनि, रवि
		6 घंटे 11 मिनट		
	DBRT राजधानी एक्सप्रेस (12424)	4:20 PM	11:08 PM	रोजाना
		6 घंटे 48 मिनट		
जयपुर	AII SDAH SF एक्सप्रेस (12988)	2:40 PM	1:50 AM	रोजाना
		11 घंटे 10 मिनट		
	LGH PRYJ SF एक्सप्रेस (12404)	2:45 PM	4:40 AM	मंगल, बुध, शुक्र, रवि
		13 घंटे 55 मिनट		

शहर	ट्रेन का नाम	कितने बजे चलेगी	प्रयागराज कब पहुंचेगी	हफ्ते में कितने दिन
लखनऊ	वंदे भारत एक्सप्रेस (22549)	10:35 AM	1:35 PM	सोम, मंगल, बुध, गुरू, शुक्र, रवि
		3 घंटे		
	BE PYGS एक्सप्रेस (14308)	11:00 PM	2:36 AM	रोजाना
		3 घंटे 36 मिनट		
भोपाल	कामायनी एक्सप्रेस (11071)	4:15 AM	3:45 PM	रोजाना
		11 घंटे 30 मिनट		
	ADI GKP एक्सप्रेस (19489)	8:45 PM	8:45 AM	मंगल, बुध, गुरू, शुक्र, शनि, रवि
		12 घंटे		
इंदौर	DADN PRYJ एक्सप्रेस (14115)	12:00 PM	6:00 AM	रोजाना
		18 घंटे		
मुंबई	कोलकाता मेल (12322)	10:15 PM	7:30 PM	रोजाना
		21 घंटे 15 मिनट		
	पाटलिपुत्र एक्सप्रेस (12141)	11:35 PM	9:18 PM	रोजाना
		21 घंटे 43 मिनट		

शहर	ट्रेन का नाम	कितने बजे चलेगी	प्रयागराज कब पहुंचेगी	हफ्ते में कितने दिन
अहमदाबाद	ADI PNBE एक्सप्रेस (19421)	9:10 PM	8:00 PM 22 घंटे 50 मिनट	रवि
	ADI GKP एक्सप्रेस (19489)	9:10 AM	8:45 AM 23 घंटे 35 मिनट	मंगल, बुध, गुरू, शुक्र, शनि, रवि
बेंगलुरू	संघमित्रा एक्सप्रेस (12295)	9:15 AM	11:40 PM 14 घंटे 25 मिनट	रोजाना
	हमसफर एक्सप्रेस (22354)	1:50 PM	4:22 AM 14 घंटे 32 मिनट	रवि
कोलकाता	राजधानी एक्सप्रेस (12305)	2:05 PM	2:43 AM 12 घंटे 38 मिनट	रवि
	नेताजी एक्सप्रेस (12311)	9:55 PM	10:40 AM 12 घंटे 45 मिनट	रोजाना

स्पेशल ट्रेन्स: ऊपर दी गई ट्रेन्स के अलावा 12 जनवरी से 28 फरवरी तक महाकुंभ के लिए करीब 992 स्पेशल ट्रेन भी चलेंगी।

यात्रा से पहले ट्रेन का समय जरूर चेक करें, बदलाव संभव है।

महाकुंभ रेलवे टोल फ्री नंबर: 1800 4199 139

ट्रेन ट्रैवल गाइडलाइंस

कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे स्टेशनों पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाएंगे। प्रतिबंध शाही स्नान से एक दिन पहले से शाही स्नान के दो दिन बाद तक लागू रहेगा।

कब-कब लगेंगे प्रतिबंध	प्रतिबंध लगने की वजह
12 से 16 जनवरी तक	13 जनवरी को पौष पूर्णिमा और 14 जनवरी को मकर संक्रांति का शाही स्नान है।
28 से 31 जनवरी तक	29 जनवरी को मौनी अमावस्या का शाही स्नान है।
02 से 05 फरवरी तक	3 फरवरी को बसंत पंचमी का शाही स्नान है।
11 से 14 फरवरी तक	12 फरवरी को माघ पूर्णिमा का शाही स्नान है।
25 से 28 फरवरी तक	26 फरवरी को महाशिवरात्रि का शाही स्नान है।

प्रतिबंध के समय अलग-अलग स्टेशन पर ये बदलाव रहेंगे

प्रयागराज जंक्शन

- स्टेशन में एंट्री केवल सिटी साइड से मिलेगी।
- रेलवे स्टेशन से बाहर जाने के लिए यात्री सिर्फ सिविल लाइंस साइड का एग्जिट ही इस्तेमाल कर पाएंगे।

प्रयागराज छिवकी

- एंट्री केवल प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग को जोड़ने वाले सीओडी मार्ग से मिलेगी।
- स्टेशन से केवल जी.ई.सी नैनी रोड की ओर से ही बाहर जाने दिया जाएगा।

नैनी जंक्शन

- स्टेशन में एंट्री केवल स्टेशन रोड से मिलेगी।
- नैनी जंक्शन स्टेशन से केवल मालगोदाम की ओर से ही यात्रियों को बाहर जाने दिया जाएगा।

सूबेदारगंज

- स्टेशन में एंट्री केवल झलवा (कौशाम्बी रोड) की ओर से मिलेगी।
- रेलवे स्टेशन से केवल जी.टी.रोड की ओर से बाहर जाने दिया जाएगा।

प्रयाग

- स्टेशन में एंट्री केवल चैथम लाइन (प्लेटफॉर्म नं.1) की ओर से मिलेगी।
- स्टेशन से केवल रामप्रिया रोड (प्लेटफॉर्म नं.4) की ओर से बाहर जाने दिया जाएगा।

प्रयागराज रामबाग

- एंट्री केवल हनुमान मंदिर चौराहा की ओर से मिलेगी।
- स्टेशन से केवल लाउदर रोड की ओर से बाहर जाने दिया जाएगा।

फाफामऊ

- स्टेशन में यात्रियों को एंट्री केवल प्लेटफॉर्म नं. 4 की ओर से मिलेगी।
- स्टेशन से केवल फाफामऊ बाजार की ओर से ही यात्रियों को बाहर जाने दिया जाएगा।

झूंसी

- इस स्टेशन पर प्रतिबंध का असर उतना नहीं दिखेगा।
- यहां एंट्री और एग्जिट की सुविधा स्टेशन के दोनों ओर से मिलेगी।

नोट: *प्रयागराज संगम स्टेशन हर शाही स्नान के एक दिन पहले से दो दिन बाद तक बंद रहेगा।*

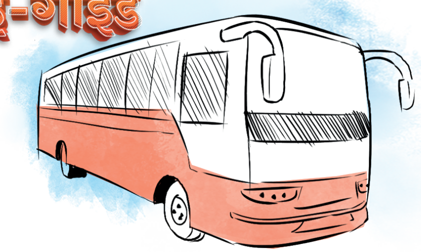

रोड कनेक्टिविटी

प्रयागराज सभी बड़े शहरों से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। यहां आप अपनी गाड़ी या सरकारी बसों से जा सकते हैं। प्रयागराज के लिए बड़े शहरों से रोड कनेक्टिविटी इस प्रकार है

शहर	प्रयागराज से दूरी KM	यात्रा समय
लखनऊ	200	करीब 5 घंटे
आगरा	500	करीब 8 घंटे
गोरखपुर	300	करीब 7 घंटे
अयोध्या	170	करीब 4 घंटे
वाराणसी	120	करीब 3 घंटे
रायपुर	600	करीब 13 घंटे
रांची	550	करीब 12 घंटे
पटना	400	करीब 8 घंटे
दिल्ली	700	करीब 11 घंटे
मुंबई	1400	करीब 23 घंटे
जयपुर	700	करीब 13 घंटे
अहमदाबाद	1300	करीब 21 घंटे
इंदौर	900	करीब 16 घंटे
भोपाल	700	करीब 12 घंटे
चण्डीगढ़	900	करीब 15 घंटे

सनातन गर्व महाकुम्भ पर्व

स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित महाकुम्भ 2025

महाकुम्भ 2025 प्रयागराज

13 जनवरी से 26 फरवरी

सामाजिक समता का महापर्व

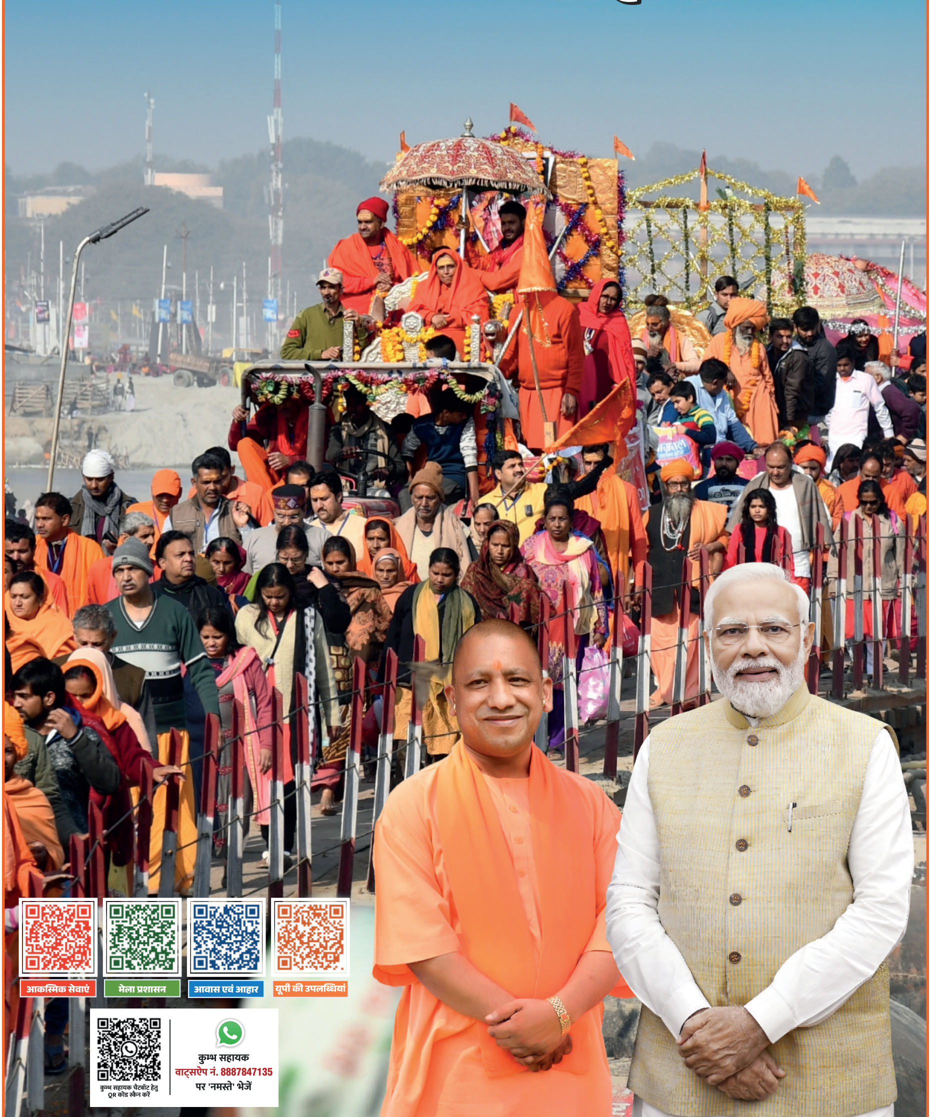

आकस्मिक सेवाएं | मेला प्रशासन | आवास एवं आहार | यूपी की उपलब्धियां

कुम्भ सहायक चैटबॉट हेतु QR कोड स्कैन करें

कुम्भ सहायक
वाट्सऐप नं. 8887847135
पर 'नमस्ते' भेजें

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

mahakumbh_25/ upmahakumbh MahaKumbh_2025 https://kumbh.gov.in/

कहां रुक सकते हैं

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान ठहरने के लिए कई तरह की सुविधाएं हैं, जिनमें टेंट, होटल, धर्मशालाएं और होमस्टे शामिल हैं।

टेंट सिटी

महाकुंभ के लिए प्रशासन ने संगम के पास टेंट सिटी बनाई है, जहां श्रद्धालुओं के लिए लगभग 25 हजार टेंट मौजूद हैं।

इनमें कई तरह के टेंट शामिल हैं

किस तरह का टेंट	टेंट्स की संख्या	प्रतिदिन किराया
बेसिक टेंट	10 हजार से अधिक	₹2,000 - ₹5,000
डीलक्स टेंट	8 हजार से अधिक	₹5,000 - ₹10,000
लग्जरी टेंट	लगभग 5000	₹10,000 - ₹20,000+

बुकिंग कैसे होगी : टेंट्स की बुकिंग यूपी टूरिज्म की वेबसाइट https://upstdc.co.in/Web/kumbh2025 और IRCTC के जरिये https://www.irctctourism.com/mahakumbhgram हो सकती है।

होटल

प्रयागराज में अलग-अलग तरह के लगभग 150 से ज्यादा होटल हैं, इनमें सस्ते बजट होटल्स से लेकर लग्जरी होटल्स तक शामिल हैं।

प्रमुख होटल

ये प्रयागराज के 4 प्रमुख लग्जरी होटल हैं।

- **होटल कान्हा श्याम :** 22/1 स्ट्रैची रोड, सिविल लाइन्स
- **होटल मिलन पैलेस:** सिविल लाइन्स
- **होटल प्रयागराज रीजेंसी:** 16, ताशकंत मार्ग
- **होटल अजय इंटरनेशनल:** सिविल लाइन्स

होटल का प्रतिदिन किराया

सस्ता	मिड-रेंज	लग्जरी
₹1,000 - ₹3,000	₹3,000 - ₹7,000	₹7,000-₹15,000+

नोट: *महाकुंभ के दौरान मांग बढ़ने से किराया भी बढ़ सकता है।*

धर्मशालाएं

शहर में लगभग 50 से ज्यादा धर्मशालाएं हैं जो खासकर तीर्थयात्रियों के लिए किफायती आवास देती हैं।

प्रमुख धर्मशालाएं

- **जैन धर्मशाला:** त्रिपोलिया, जीरो रोड, प्रयागराज
- **बांगड़ धर्मशाला:** जीटी रोड, माधोपुर, प्रयागराज
- **मध्वा पेजावर मठ:** मीरा गली, दारागंज, प्रयागराज
- **श्री शारदापीठम:** प्रयाग मोरी, दारागंज, प्रयागराज

प्रतिदिन किराया

₹500 - ₹2,000 प्रतिदिन।

नोट: *धर्मशालाओं में बुकिंग 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर होती है। भीड़भाड़ के कारण पहले ही बुकिंग करना उचित होगा।*

होमस्टे

प्रयागराज में होमस्टे की संख्या सीमित है लेकिन स्थानीय लोग भी अपने घरों में कमरे किराए पर देते हैं, जहां घर जैसा माहौल मिल सकता है।

प्रमुख होमस्टे	प्रतिदिन किराया
छोटी कोठी, कुंजपुर गेस्ट हाउस	₹1,000 - ₹4,000

नोट : *विश्वसनीय स्रोतों से ही बुकिंग करें।*

सनातन गर्व
महाकुम्भ पर्व
महाकुम्भ प्रयागराज 2025
दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुम्भ 2025
प्रमुख स्नान पर्व
पौष पूर्णिमा - 13 जनवरी, 2025
मकर संक्रांति - 14 जनवरी, 2025
मौनी अमावस्या - 29 जनवरी, 2025
बसंत पंचमी - 03 फरवरी, 2025
माघी पूर्णिमा - 12 फरवरी, 2025
महाशिवरात्रि - 26 फरवरी, 2025
आकस्मिक सेवाएं
मेला प्रशासन
आवास एवं आहार
यूपी की उपलब्धियां
कुम्भ सहायक चैटबॉट हेतु QR कोड स्कैन करें
कुम्भ सहायक
वाट्सऐप नं. 8887847135
पर 'नमस्ते' भेजें
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial
CMOUttarpradesh
CMOfficeUP
mahakumbh_25/
upmahakumbh
MahaKumbh_2025
https://kumbh.gov.in/

महाकुंभ के लिए टिप्स

क्या करें

1. जरूरी दस्तावेज और पहचान पत्र

- **आवश्यक दस्तावेज:** आधार कार्ड, पैन कार्ड, मेडिकल रिपोर्ट (अगर कोई बीमारी है), यात्रा टिकट (ऑनलाइन बुकिंग की रसीदें)।

- **पहचान बैंड:** बच्चों और बुजुर्गों के लिए पहचान बैंड या आईडी कार्ड बना लें। ये बैंड या आईकार्ड स्टेशनरी सप्लाई की दुकानों पर मिल जाएंगे। इनमें जानकारी भरकर बच्चों-बुजुर्गों को पहना सकते हैं।

2. स्नान और पूजा

- **भीड़भाड़ से बचें:** स्नान के लिए कम भीड़भाड़ वाला समय चुनें।

- **सही मार्ग और घाट की जानकारी लें**

दैनिक भास्कर एप पर कुंभ की पूरी जानकारी मिलेगी। एप डाउनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

- कुंभ की सरकारी वेबसाइट https://kumbh.gov.in/ से भी जानकारी ले सकते हैं।

क्या करें

3. पानी और खाना

- **पीने का साफ पानी:** पानी की बोतल साथ रखें। केवल सरकारी या अधिकृत स्टॉल से पानी खरीदें। हल्का और पौष्टिक खाना जैसे बिस्किट, ड्राई फ्रूट्स और नमकीन भी रखें।

4. खोया-पाया

महाकुंभ में अगर आपका कोई अपना या कोई सामान खो जाए तो इसके लिए मेला प्रशासन ने 3 व्यवस्थाएं की हैं-

- **डिजिटल खोया-पाया केंद्र:** कुंभ सिटी में मेला प्रशासन ने 10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र बनाए हैं।

- **हेल्पलाइन:** शिकायत या सहायता के लिए 1920 हेल्पलाइन है।

- **एआई कैमरे:** कुंभ सिटी में एआई कैमरों की मदद से क्राउड मैनेजमेंट होगा। ये कैमरे चेहरे भी पहचान सकेंगे।

मुसीबत में आप क्या करें:

- मुसीबत में आप हेल्पलाइन 1920 पर कॉल कर सकते हैं।

- किसी भी पुलिसकर्मी या वॉलंटियर से संपर्क कर सकते हैं जो खोया-पाया केंद्र तक पहुंचा देगा।

- अगर कोई खो गया है तो खोया-पाया केंद्र से उसके लिए अनाउंसमेंट करवा सकते हैं।

क्या करें

5. कपड़े और सामान

- **मौसम के अनुसार:** सर्दी हो तो गर्म कपड़े, मोज़े, टोपी, और दस्ताने ले जाएं। गर्मी हो तो हल्के कपड़े, छतरी, और सनस्क्रीन रखें।
- **आरामदायक जूते:** कुंभ में काफी पैदल चलना पड़ सकता है। इसके लिए जूते आरामदायक और टिकाऊ होने चाहिए।

6. दवाइयां और प्राथमिक चिकित्सा किट

- **बुखार:** पैरासिटामोल 500 Mg
- **पेट दर्द या एसिडिटी:** पैंटोप्राजोल 40 Mg, ओमेप्राजोल 20 Mg और एंटासिड सिरप
- **दस्त:** ओआरएस और लोपरामाइड 2 Mg
- **सर्दी-खांसी:** सेट्रिजिन 10 Mg, लेवोसेट्रिजिन 5 Mg, कोल्ड प्लस और खांसी की सिरप।
- **चोट लगने पर:** सोफ्रामाइसिन, कॉटन और बैंडेज
- **दर्द निवारक:** कॉम्बिफ्लेम
- **दांत दर्द:** ट्रामाडोल

किसी भी अन्य बीमारी के लिए डॉक्टर की बताई दवाइयां।

क्या न करें

1. अनाधिकृत क्षेत्र में न जाएं

- कुंभ में कई दिन भीड़भाड़ की वजह से कुछ क्षेत्रों को प्रशासन बंद कर सकता है। ऐसे क्षेत्रों में बिना अनुमति न जाएं। सुरक्षा बैरिकेड्स पार न करें।

2. संदिग्ध व्यक्तियों से सावधान रहें

- कुंभ में ठगों और चोरों के गिरोह भी सक्रिय होते हैं। किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करें। फर्जी साधुओं या दलालों के बहकावे में न आएं।

3. दिशा निर्देशों का उल्लंघन न करें

- कुंभ में हर जगह जाने का रास्ता और गाड़ियों की पार्किंग के स्थान ट्रैफिक पुलिस ने तय किए हुए हैं। इन नियमों का पालन करेंगे तो आप जाम और भीड़भाड़ से बच पाएंगे।

4. अपना सामान लावारिस न छोड़ें

- कीमती सामान जैसे मोबाइल, पर्स, और गहने संभालकर रखें। बैग या सामान सुरक्षित स्थान पर रखें।

सनातन गर्व
महाकुम्भ पर्व
महाकुम्भ प्रयागराज 2025
स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित महाकुम्भ 2025
महाकुम्भ 2025 प्रयागराज
13 जनवरी से 26 फरवरी
पुण्य फलें, महाकुम्भ चलें
विस्तार है अपार : 4,000 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र
घर जैसा वैभव-विलास : 1,60,000 टेंट
सतर्क एवं समग्र सुरक्षा : 2,750 सीसीटीवी कैमरे
स्वच्छता में सर्वोत्तम : 1,50,000 शौचालय
आकस्मिक सेवाएं
मेला प्रशासन
आवास एवं आहार
यूपी की उपलब्धियां
कुम्भ सहायक चैटबॉट हेतु QR कोड स्कैन करें
कुम्भ सहायक
वाट्सऐप नं. 8887847135
पर 'नमस्ते' भेजें
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial
CMOUttarpradesh
CMOfficeUP
mahakumbh_25/
upmahakumbh
MahaKumbh_2025
https://kumbh.gov.in/

उत्तर प्रदेश सरकार
सनातन गर्व
महाकुम्भ पर्व
महाकुम्भ प्रयागराज 2025
स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित महाकुम्भ 2025
महाकुम्भ 2025 प्रयागराज
13 जनवरी से 26 फरवरी
मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर
आपकी सेवा में तत्पर-हेल्पलाइन नंबर
1920 महाकुम्भ मेला हेल्पलाइन
1944 मेला पुलिस
1945 फायर सर्विस
102, 108 एम्बुलेंस सेवा
1010 खाद्य एवं रसद हेल्पलाइन
https://kumbh.gov.in
आकस्मिक सेवाएं
मेला प्रशासन
आवास एवं आहार
यूपी की उपलब्धियां
कुम्भ सहायक चैटबॉट हेतु QR कोड स्कैन करें
कुम्भ सहायक
वाट्सऐप नं. 8887847135
पर 'नमस्ते' भेजें
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP
mahakumbh_25/ upmahakumbh MahaKumbh_2025 https://kumbh.gov.in/

प्रयागराज में कहां घूमें

लेटे हुए हनुमान जी

- **लोकेशन:** गंगा घाट, संगम मार्ग
- **संगम से दूरी:** 900 मीटर
- **कब जाएं:** 5:30 am-2 pm, 4:30 pm- 8 pm
- **खासियत:** यह मंदिर 700 साल पुराना है। ऐसा कहा जाता है कि हर साल गंगा मैया हनुमान जी को स्नान कराने आती हैं।

वेणी माधव मंदिर

- **लोकेशन:** निराला मार्ग, दारागंज
- **संगम से दूरी:** 2.1 किमी.
- **कब जाएं:** 5 am- 12 pm, 4 pm- 10 pm
- **खासियत:** ये भगवान माधव के 12 प्रमुख मंदिरों में से एक है। इसमें भगवान वेणीमाधव अपने चतुर्भुज स्वरूप में मौजूद हैं।

भारद्वाज आश्रम

- **लोकेशन:** कर्नलगंज
- **संगम से दूरी:** 5 किमी.
- **कब जाएं:** 4:30 am - 10:30 pm
- **खासियत:** त्रेतायुग में यहां राम, सीता और लक्ष्मण आए थे। यहीं महर्षि भारद्वाज ने उन्हें चित्रकूट जाने का रास्ता बताया था। रामायण में ये उल्लेख मिलता है।

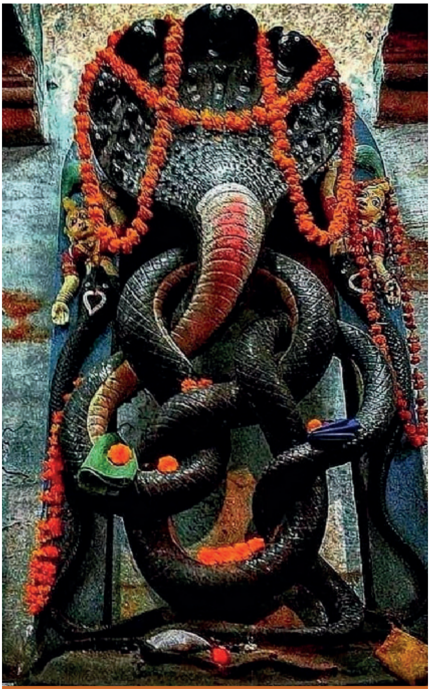

नागवासुकी

- **लोकेशन:** दारागंज
- **संगम से दूरी:** 3.4 किमी.
- **कब जाएं:** 5:30 am- 10 pm
- **खासियत:** मान्यता है कि प्रयागराज आने वालों की यात्रा नागवासुकी के दर्शन के बिना अधूरी रह जाती है। यहां नागों के राजा वासुकी विराजमान हैं।

मनकामेश्वर मंदिर

- **लोकेशन:** फोर्ट रोड, कायडगंज
- **संगम से दूरी:** 2.8 किमी.
- **कब जाएं:** 6 am- 11 pm
- **खासियत:** प्रयागराज किले के पास ही ये मनकामेश्वर मंदिर है। मान्यता है कि रामायण काल में मंदिर की स्थापना खुद श्रीराम ने सीता के कहने पर की थी।

अक्षयवट वृक्ष

- **लोकेशन:** संगम मार्ग, अकबर किला
- **संगम से दूरी:** 1 किमी.
- **कब जाएं:** 7 am-8 pm
- **खासियत:** ये एक प्राचीन बरगद का पेड़ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यहीं पर राम, लक्ष्मण और सीता ने वनवास के दौरान विश्राम किया था।

अलोपी माता मंदिर

- **लोकेशन:** अलोपी बाग, मटियारा रोड
- **संगम से दूरी:** 2.6 किमी.
- **कब जाएं:** 6 am- 8 pm
- **खासियत:** ये मंदिर भारत के प्रतिष्ठित शक्तिपीठों में से एक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार देवी सती के दाहिने हाथ का पंजा यहीं पर कटकर गिरा था।

सरस्वती कूप

- **लोकेशन:** संगम मार्ग, अकबर किला
- **संगम से दूरी:** 3.1 किमी.
- **कब जाएं:** 8 am- 8 pm
- **खासियत:** सरस्वती कूप एक पवित्र कुआं है। ऐसी मान्यता है कि कोई इस कुएं के जल से स्नान करे या ये जल ग्रहण करे तो उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सोमेश्वर महादेव

- **लोकेशन:** मित्र नगर, झलवा
- **संगम से दूरी:** 12.1 किमी.
- **कब जाएं:** 6 am- 7:30 pm
- **खासियत:** पौराणिक कथा के अनुसार, मंदिर की स्थापना चंद्रदेव ने क्षयरोग के श्राप से मुक्त होने के लिए की थी। यहां लोग गंभीर बीमारियों से निजात पाने के लिए आते हैं।

आनंद भवन

- **लोकेशन:** टैगोर टाउन
- **संगम से दूरी:** 5.2 किमी.
- **कब जाएं:** 9:30 am-5 pm
- **खासियत:** एक समय यह नेहरू परिवार का निवास स्थान हुआ करता था। पंडित नेहरू के जीवन से जुड़े के कई फोटोज यहां देखने को मिलते हैं। ये सोमवार को बंद रहता है।

अकबर का किला

- **लोकेशन:** संगम तट
- **संगम से दूरी:** 3 किमी.
- **कब जाएं:** 10 am- 6 pm
- **खासियत:** किला अकबर ने 1575 में बनवाया था। इसके निर्माण में 45 साल लगे थे। फिलहाल ये सेना की संपत्ति है। अक्षयवट और सरस्वती कूप समेत कई टूरिस्ट आकर्षण किले के अंदर हैं।

आजाद पार्क

- **लोकेशन:** जॉर्ज टाउन
- **संगम से दूरी:** 5 किमी.
- **कब जाएं:** 5 am- 9 pm
- **खासियत:** इसे पहले अल्फ्रेड पार्क कहा जाता था। यहीं पर स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद ने खुद को गोली मारी थी। उनके नाम पर ही अब इसे आजाद पार्क कहा जाता है।

सनातन गर्व
महाकुम्भ पर्व
वेबसाइट
https://kumbh.gov.in/
मोबाइल ऐप
Maha Kumbh Mela 2025
॥सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः॥
महाकुम्भ प्रयागराज
2025
दिव्य-भव्य-डिजिटल
महाकुम्भ 2025
13 जनवरी से 26 फरवरी
महाकुम्भ 2025 प्रयागराज
आकस्मिक सेवाएं
मेला प्रशासन
आवास एवं आहार
यूपी की उपलब्धियां
कुम्भ सहायक चैटबॉट हेतु QR कोड स्कैन करें
कुम्भ सहायक
वाट्सऐप नं. 8887847135
पर 'नमस्ते' भेजें
कुम्भ चैटबॉट लिंक
chatbot.kumbh.up.gov.in
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial
CMOUttarpradesh
CMOfficeUP
mahakumbh_25/
upmahakumbh
MahaKumbh_2025
https://kumbh.gov.in/

प्रयागराज के जायके

देहाती रसगुल्ला

- **रेट:** 20 रुपए पीस
- **लोकेशन:** बैरहना
- **खासियत:** यहां के मालिक को लोग देहाती बुलाते थे। तभी से दुकान का नाम देहाती रसगुल्ला पड़ गया।

राजाराम लस्सी वाले

- **रेट:** 50-70 रुपए ग्लास
- **लोकेशन:** मालवीयनगर
- **खासियत:** दुकान 1897 से चल रही है। यहां की रबड़ी, जलेबी और काली गाजर का हलवा भी फेमस हैं।

नेतराम कचौड़ी

- **रेट:** 120 रुपए प्लेट (5 कचौड़ी)
- **लोकेशन:** कटरा चौराहा
- **खासियत:** दुकान 168 साल पुरानी है। खासियत यह है कि इसके सारी डिश देशी घी से बनती हैं। यहां के दही जलेबी, समोसे, पकौड़े भी फेमस हैं।

जायसवाल डोसा

- **रेट:** 120 रुपए से शुरू
- **लोकेशन:** मेडिकल चौराहा
- **खासियत:** साउथ इंडियन फूड के लिए ये दुकान फेमस है। यहां अलग-अलग तरह के डोसा, इडली और मीठी डिशेज के भी अच्छे ऑप्शन मिलेंगे।

चौरसिया समोसा

- **रेट:** 8 रुपए पीस
- **लोकेशन:** नैनी
- **खासियत:** 50 साल से भी ज्यादा पुरानी इस दुकान के समोसे काफी फेमस हैं। यहां समोसा मीठी चटनी के साथ दिया जाता है। यहां की गुजिया भी प्रसिद्ध है।

मसाला चुरमुरा

- **रेट:** 20 रुपए से शुरू
- **लोकेशन:** सिविल लाइंस
- **खासियत:** चुरमुरा प्रयागराज का फेमस हल्का नाश्ता है। इसमें भी सिविल लाइन्स में बिकने वाला चुरमुरा लोगों की पहली पसंद है।

कामधेनु स्वीट्स

- **रेट:** 300 रु किलो से शुरू
- **लोकेशन:** सिविल लाइन्स
- **खासियत:** ये प्रयागराज की सबसे प्रसिद्ध मिठाई की दुकानों में से एक है। यह दुकान अपनी क्वालिटी और स्वाद के लिए प्रयागराज के लोगों की पहली पसंद है।

कॉफी हाउस

- **रेट:** 70 रुपए कप
- **लोकेशन:** सिविल लाइंस
- **खासियत:** ये 1957 से चल रहा है। चाय-कॉफी के शौकीन लोगों के लिए बेस्ट जगह है। इसके अलावा यहां आपको डोसा, सैंडविच जैसी डिशेज भी मिल जाएंगी।

पंडित जी की चाट

- **रेट:** 40 रुपए प्लेट
- **लोकेशन:** कर्नलगंज
- **खासियत:** दुकान 1945 से चल रही है। यहां आलू की टिक्की, फुल्की, दही बड़ा, धनिया मिक्स हरा आलू और गुलाब जामुन मिलते हैं।

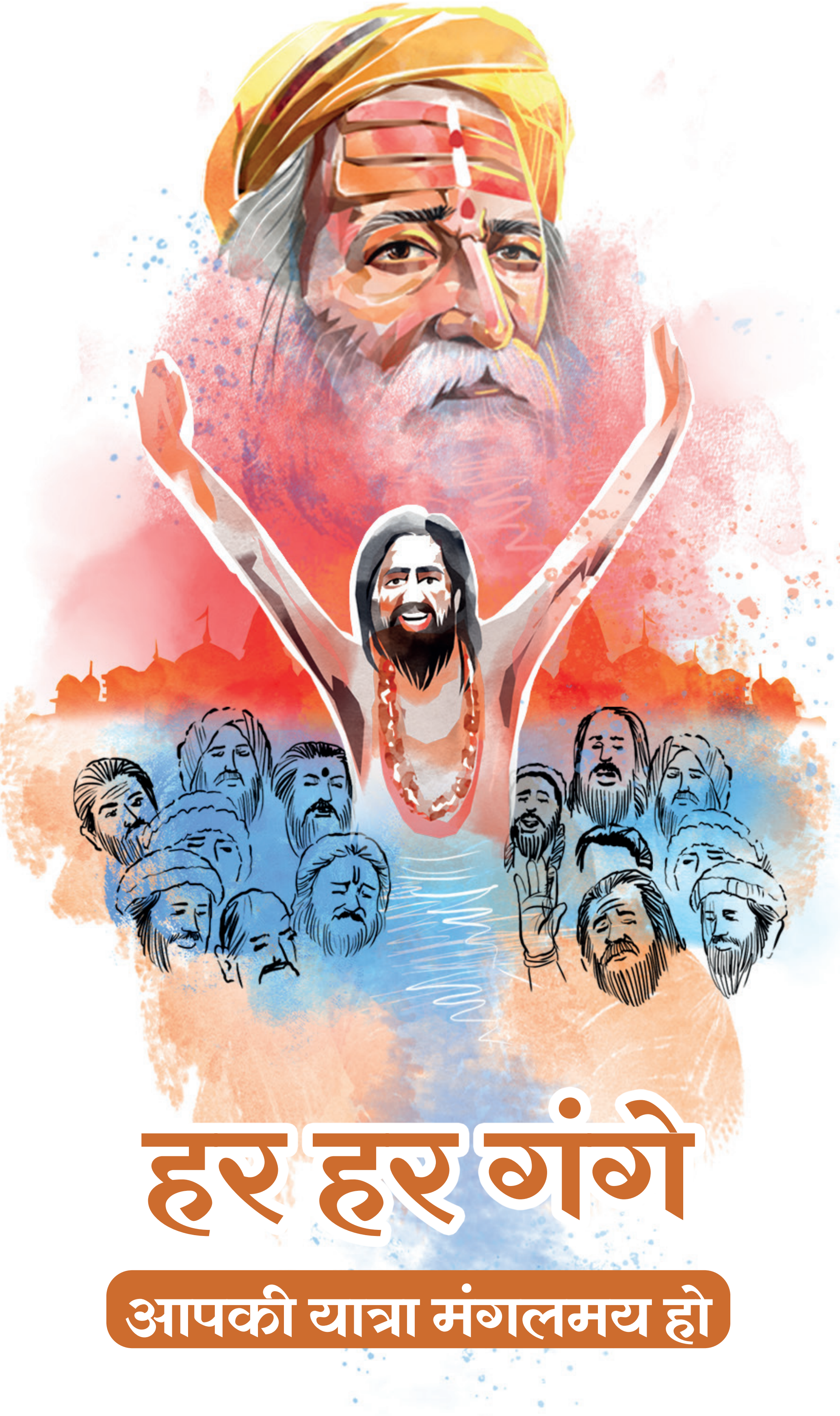
हर हर गंगे
आपकी यात्रा मंगलमय हो